मध्यप्रदेश देश का दिल है, आपने प्रदेश का दिल जीत लिया : चौहान

लक्ष्य तय कर आगे बढ़ने पर सफलता जरूर मिलती है, यूपीएससी में चयनित प्रदेश के 38 प्रतिभाओं का मुख्यमंत्री ने किया सम्मान

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश का दिल है, आपने मध्यप्रदेश का दिल जीत लिया है। न केवल यूपीएससी परीक्षा बल्कि नीट, आईआईटी, जेईई सहित अलग-अलग परीक्षा में प्रदेश के विद्यार्थियों का चयन हो रहा है।

विद्यार्थी चयनित होने के बाद अपना दृष्टिकोण ऐसा रखें, जिससे प्रदेश और देश की जनता का भविष्य बन सकें और देश विकास के पथ पर आगे बढ़े। विद्यार्थी सफलता-असफलता की परवाह किये बगैर आगे बढ़ें। कोई कार्य ऐसा नहीं है, जो आप नहीं कर सकते, लक्ष्य तय कर आगे बढ़ने पर सफलता जरूर मिलती है। श्री चौहान आज रवीन्द्र भवन में सफलता के सोपान सम्मान समारोह में यूपीएससी में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से चयनित 38 अभ्यर्थियों का शॉल, श्रीफल और प्रतीक-चिन्ह प्रदान कर संबोधित कर रहे थे।

श्री चौहान ने विद्यार्थियों को प्रेरणा स्वरूप कहानी सुना कर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए कार्य करने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि देश आगे बढ़े, दुनिया देखती रह जाये, ऐसा कार्य कर दिखायें। अहंकार कभी न करें। जनता की सेवा के लिए हम तत्पर रहें। सामान्य परिवारों से आकर, आप आगे बढ़े, मुझे इस पर गर्व है। विनम्रता कभी न भूलें, सबको समान महत्व देकर कार्य करें। धैर्य कभी नहीं खोएँ और उत्साह से सदैव भरे रहें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। आप अच्छे से प्रशिक्षण लेकर देश को और आगे बढ़ाने के लिए बेहतर ढंग से कार्य करें। प्रदेश के ज्यादा से ज्यादा अभ्यर्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों के सामने विभिन्न क्षेत्रों में जाने के अवसर हैं। चयनित अभ्यर्थी कृष्णपाल की माँ आँगनवाड़ी सहायिका हैं। ऐसी स्थिति में सफल होकर दिखा देना हम सबके लिए गर्व की बात है। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि दुनिया में कोई ऐसा कार्य नहीं है, जो मनुष्य नहीं कर सके। मनुष्य जैसा सोचता है वैसा बन जाता है। उन्होंने कहा कि एक छोटे से स्कूल से निकलकर मैं मुख्यमंत्री बन सकता हूँ, तो आप क्यों नहीं सफल हो सकते हैं। अपनी रूचि का विषय चुन कर पूरी क्षमता से तैयारी करें। समय का एक क्षण भी न गवायें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश के बच्चे चमत्कार कर सकते हैं। उन्हें आवश्यक

सुविधाएँ दिलाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गांधी मेडिकल कॉलेज में मेडिकल की पढ़ाई अब हिन्दी में होगी। इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी हिन्दी में कराई जायेगी। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पूरे देश से 700 चयनित विद्यार्थियों में से प्रदेश के 38 विद्यार्थियों का चयन हमारे लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि समग्र मध्यप्रदेश से यूपीएससी में विद्यार्थियों का चयन हुआ है। श्री चौहान प्रतिभाओं को देश एवं प्रदेश में स्थान बनाने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। उनका प्रेरणादायी मार्गदर्शन लगातार मिलता रहेगा।

पूर्व आईईएस बी. सिंह ने कहा कि सही मायने में सफलता का पता सिविल सर्विस की परीक्षा में चयन होने पर चलता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विद्यार्थियों के लिए सफलता के नए रास्ते खोले हैं। विद्यार्थी चयनित होकर हम सबके गौरव बन गए हैं। यूपीएससी में चयनित होने के लिए प्रोत्साहन जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी सिविल सेवा में सफल नहीं होते हैं तो वे जीवन में अवश्य सफल होते हैं। उनकी मेहनत कभी बेकार नहीं जाती।

कार्यक्रम में यूपीएसएसी 2021 में चयनित कुमारी सोनाली सिंह परमार ने कहा कि उचित दिशा में उचित परिश्रम करें। निर्धारित पथ पर अडिग रहें। ऐश्वर्य वर्मा ने कहा कि अपना देखा सपना पूरा करने की कोशिश करें, चाहे मुश्किलें कितनी भी आ जाएं। कुमारी श्रद्धा गोमे ने कहा कि परीक्षा की तैयारी करने के पूर्व परीक्षा को समझना जरूरी है। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। असफलता से घबरायें नहीं। टेक्नोलॉजी का नियंत्रित और सही दिशा में उपयोग करें। परीक्षा जीवन का एक हिस्सा है, यह जीवन नहीं है। श्री कृष्णपाल राजपूत ने कहा कि कभी भी अपने आप को कमजोर नहीं समझें। कठिन परिश्रम, साहस और धैर्य से तैयारी करें। कुमारी ट्विंकल जैन ने कहा कि विषय की समझ, समय प्रबंधन के साथ अपने आप को मेन्टली स्ट्रांग रखें। कोशिश करते रहें, हार नहीं होगी।

प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन में अपर मुख्य सचिव शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रदेश के 38 उम्मीदवारों का यूपीएसएसी में चयन हुआ है। जो यह बताता है कि मध्यप्रदेश तेजी से तरक्की कर रहा है। आप सभी समाज के उत्थान में अपना योगदान देंगे। कार्यक्रम में प्रतिभाओं का परचम पुस्तिका का विमोचन किया। इसके डिजिटल वर्जन का भी विमोचन हुआ। इसी के साथ ही सफलता के सोपान पुस्तिका का भी विमोचन किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश की उपलब्धियों से संबंधित लघु फिल्म दिखाई गई। फिल्म में यूपीएससी में चयनित अभ्यर्थियों ने अपने प्रेरक विचारों से अवगत कराया। यूपीएससी 2021 में प्रदेश के श्री ऐश्वर्य वर्मा, उत्कर्ष द्विवेदी, कार्तिकेय जायसवाल, विशाल धाकड़, कुशल जैन, सुश्री अंजलि श्रोत्रिय, सुश्री श्रद्धा गोमे, सुश्री श्रेयाश्री, अंकित कुमार चौकसे, सुश्री मिनी शुक्ला, सुश्री ऋजु श्रीवास्तव, आदित्य काकड़े, अंतरिक्ष जैन, सुश्री अनन्या अवस्थी, सुश्री ट्विंकल जैन, सुश्री लिपि नगायच, सुश्री नेहा जैन, सुश्री सिमरन भारद्वाज, सुश्री सोनाली सिंह परमार, अर्जित महाजन, मयंक मिश्रा, तन्मय काले, मृदुल शिवहरे, आयुष भदौरिया, सुश्री छाया सिंह, पीयूष दुबे, कृष्णपाल राजपूत, आकर्ष सोनी, राहुल देशमुख, आदित्य पटले, मयंक सिंह, सुश्री पूजा सोनी, शिवम धाकड़, एकांत जैन, सौरव बेलानी, दीपक दांगी, सुश्री सोनू परमार और शुभम कुमार शर्मा का सम्मान किया गया। अंत में आयुक्त उच्च शिक्षा दीपक सिंह ने आभार माना। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री चौहान ने कन्या-पूजन किया। मध्यप्रदेश गान भी गाया गया।

मुख्यमंत्री ने जन्माष्टमी पर फोड़ी मटकी

भोपाल (काप्र)। राधे-राधे जपो चले आएंगे बिहारी, राधे-राधे रटो चले आएंगे बिहारी... आएंगे बिहारी चले आएंगे बिहारी... ये भजन शुक्रवार रात सीएम हाउस में गाया गया। गायक कोई और नहीं सीएम शिवराज सिंह चौहान थे।

सीएम ने यही नहीं नंद को आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की... भ्रमर सी अलक, कस्तूरी तिलक, चंद्र सी झलक, ललित छबि श्यामा प्यारी की... भजन की प्रस्तुति भी दी। इस दौरान वे पत्नी साधना के सामने कान्हा रूप में मटकी फोड़ने भी जा पहुंचे। यहां मौजूद टीम ने सीएम को उठाया और उन्होंने मटकी फोड़ दी। रात 12 बजते ही कान्हा का जन्म हुआ और सभी ने जयकारे लगाकर उनका स्वागत किया। मथुरा, वृंदावन, द्वारिका और पुरी के साथ ही देश-दुनिया व मध्यप्रदेश में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव उत्साह के साथ मनाया गया। शुक्रवार रात को 12 बजे, श्रीकृष्ण मंदिरों में नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की% नारे गूंज उठे। भोपाल में सीएम शिवराज सिंह चौहान ने भी पत्नी साधना समेत परिवार के साथ जन्मोत्सव मनाया। सीएम निवास में जन्मोत्सव को लेकर बड़ा आयोजन हुआ, जिसमें कलाकारों ने प्रस्तुतियां भी दी। इंदौर, उज्जैन, भोपाल, छिंदवाड़ा समेत प्रदेशभर में रात में मटकी फोड़ का आयोजन हुआ। रतलाम के राम मंदिर क्षेत्र में क्रेन पर मटकी लटकाकर उसे फोड़ा गया।

युवा मोर्चा ही भविष्य की भाजपा : शिवराज

युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति के समापन सत्र में शामिल हुए मुख्यमंत्री

भोपाल (काप्र)।

संगठन हमेशा प्रवाहमान रहता है, दायित्व बदलते रहते हैं। अगर आप बेहतर काम करेंगे तो आप कहां होंगे यह संगठन तय करेगा। युवा मोर्चा ही आने वाली भारतीय जनता पार्टी है। आज युवा मोर्चा जैसा होगा, वैसा ही भविष्य की भाजपा होगी।

आप देश और पार्टी का काम करें यही राष्ट्र की सच्ची सेवा है। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने शनिवार को प्रदेश कार्यालय में युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति के समापन सत्र में कही। युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्री वैभव पंवार ने मुख्यमंत्री का अभिनंदन करते हुए स्वागत भाषण दिया। बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी मंचासीन थे। प्रदेश कार्यसमिति में मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने युवा मोर्चा से जुडें उनके पुराने संस्मरण सुनाए। उन्होंने कहा कि काम कैसे खड़ा हो, वह व्यवहारिक अनुभवों से सीखा जाता है। डटकर काम करना पडता है। उन्होंने उपस्थित युवाओं से कहा कि शॉर्टकट न अपनाएं, कोई भी मॉस लीडर शॉर्टकट से नहीं बनते उसके लिए मेहनत करनी पडती है। जमीन पर काम और जनता के बीच जाना पडता है। उसके बिना लीडर नहीं बन सकते है। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता परिश्रम की पराकाष्ठा करें और अच्छी लीडरशिप उभरे। हर वर्ग के युवा जोडने के मिशन में जुटें। श्री चौहान ने कहा कि हम एक विचार के प्रति पूरी निष्ठा के साथ काम करने वाले दल के कार्यकर्ता है। राष्ट्र पुर्ननिर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हम बड़े आंदोलन का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सितंबर और अक्टूबर माह में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ देने के शिविर लगाए जायेंगे। हर पंचायत में पात्र हितग्राही जुटेंगे। युवा मोर्चा शासन के साथ मिलकर हितग्राहियों को लाभ दिलाने में सेतु बनें। उन्होंने कहा कि एक साल में 1 लाख नौकरी दे रहें है। 1 लाख प्लेसमेंट और 1 साल में 32 लाख स्वरोजगार देंगे। युवा मोर्चा इन हितग्राहियों से संवाद और संपर्क कर उन्हें पार्टी से जोड़ें। श्री चौहान ने कहा कि सरकार की अलग अलग योजनाओं का लाभ प्रदेश के युवा बडी संख्या में उठा रहे हैं, युवा मोर्चा इन्हें जोडकर पार्टी के 51 प्रतिशत वोट शेयर के लक्ष्य को अकेले पूरा कर सकता है।

इससे पूर्व भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा एवं संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे विरोधी भी यह कहते हैं कि वे भाजपा की जिस चीज से घबराते हैं, वह उसके संगठन की ताकत है। पार्टी संगठन की सबसे बड़ी ताकत युवा मोर्चा ही है, जिस पर हम सभी को गर्व है। इस ताकत को कैसे और निखारा जाए, पार्टी के हित में इसका समुचित उपयोग किस प्रकार किया जाए, प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में हमें इसी पर विचार करना है। बैठक में युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री वैभव पंवार ने मोर्चा की गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी प्रस्तुत की। कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि युवा मोर्चा भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है और उसका संगठन में अलग महत्व है। पूरी पार्टी अपनी जिस ताकत गर्व करती है, वह युवा मोर्चा ही है। यह ताकत किस तरह से प्रभावी तरीके से काम करे, हमें कार्यसमिति की बैठक में इसी पर विचार करना है।

कार्यकर्ता ही लगे हैं कांग्रेस को ठिकाने लगाने में : डॉ. मिश्रा

वायनाड में राहुल गांधी के कार्यालय पर हमला सबसे बड़ा सबूत

भोपाल (काप्र)।

गृह मंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा ने कहा हैं कि डूबती कांग्रेस से हताश कार्यकर्ता अब खुद ही पार्टी को ठिकाने लगाने में जुट गए है। वायनाड में राहुल गांधी के कार्यालय पर हुआ हमला इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। हमले में कांग्रेसी कार्यकर्ता ही गिरफ्तार हुए हैं।

गृह मंत्री डॉ.मिश्रा ने कहा कि आज की कांग्रेस हताश है,निराश हैं। डूबती हुई कांग्रेस के कार्यकर्ता को भी अहसास हो गया है इसलिए वायनाड जैसी घटनाएं हो रही हैं। गृह मंत्री डॉ.मिश्रा ने कहा कि दक्षिण भारत के लोग अब राहुल गांधी की असलियत जान चुके हैं। यह वही राहुल गांधी हैं जिन्होंने अमेठी छोड़ते ही दक्षिण भारत के लोगो को उत्तर भारत के लोगो से श्रेष्ठ बताया था। अब वायनाड के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय पर ही हमला करके बता दिया है कि राहुल जी न उत्तर के

रहे न दक्षिण भारत के।

आप नेता कंबल ओढ़ कर पीते है घी : दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के यहाँ पड़े सीबीआई छापे को लेकर गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने चुटकी लेते हुए कहा हैं कि इस छापे ने दिखा दिया है कि आम आदमी पार्टी के दांत, खाने के अलग और दिखाने के अलग है। आम आदमी पार्टी के नेता कंबल ओढ़कर घी पी रहे हैं।

उन्होंने कहा कि छापे को लेकर आम आदमी पार्टी में इतनी बौखलाहट क्यों है। अगर निर्दोष है तो साक्ष्य दे। आप की हालत भी चोर मचाए शोर जैसी हो रही हैं।

कृषि क्षेत्र में सहकारिता का विशेष महत्व

नई दिल्ली। सहकारिता से विकास का लंबा और बड़ा ही घनिष्ठ संबंध है। ये जहां मजबूत होता है वहीं दूसरे को मजबूत करता भी है। तभी तो एक सबके लिए, सब एक के लिए इसका मूल मंत्र है। इसी मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए भारत जैसे कृषि प्रधान देश में कृषि क्षेत्र में सहकारिता का विशेष महत्व है। और उसी क्रम में एक संस्था का जन्म होता है। जिसे हम सब नेफेड के नाम से जानते हैं। नेफेड यानी भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ मर्यादित, नई दिल्ली की स्थापना 2 अक्टूबर 1958 में हुई थी। वर्तमान में नई दिल्ली में मुख्य कार्यालय के साथ विभिन्न राज्यों में 18 शाखा तथा 9 उप शाखा के साथ कार्यरत है। पूरे देश में गोदामों, प्री-कूलिंग/कोल्ड स्टोरेज इकाइयों, प्याज भंडारण परिसरों, चाय ग्रेडिंग और सम्मिश्रण इकाइयों, बीज और जैव उर्वरक उत्पादन इकाइयों, उपभोक्ता विपणन प्रभाग आदि के साथ नेफेड मजबूत बुनियादी ढांचे के साथ व्यापक रूप से मौजूद है। नेफेड की स्थापना का मुख्य उद्देश्य किसानों को तैयार बाजार उपलब्ध कराना, उनके फसलों का लाभकारी मूल्य दिलाना और निजी व्यापारियों द्वारा उनके शोषण की रोकथाम कर उनके हितों की रक्षा करना है। नेफेड सरकार द्वारा तैयार की गई विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन और अपने द्वारा व्यवसाय संचालन के माध्यम से देश के किसानों को यह सेवा प्रदान कर रहा है। किसानों की सेवा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देते हुए राष्ट्र को समर्पित सेवा के कई दशक देने वाले नेफेड ने कोविड जैसी महामारी के मुश्किल समय में पी.एम.जी.के.ए. योजना के तहत 19.50 करोड़ परिवार को हर महीने एक किलो दाल मुफ्त में बांटा है। इस स्कीम में15 लाख टन दाल देश के हर कोने में एनएफएसएम के लाभार्थियों को पहुंचाया गया है। इतना ही नहीं किसानों के समूहों को प्रोत्साहन देने के लिए कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चलाई गई 10000 एफपीओ स्कीम में भी नेफेड अपनी भागीदारीता दिखा रहा है और 1000 से भी ज्यादा किसान उत्पादक संगठन पूरे देश में बना रहा है। शहद, मिलेट, जैविक, तिलहन, आदि इस श्रेणी में आते हैं। नेफेड दूरदराज क्षेत्रों से जुड़ रहा है और कश्मीर से केसर एवं चैरी, अरुणांचल प्रदेश से कीवी तथा बिहार से मखाना का विपणन में अपना योगदान दे रहा है। नेफेड सदैव बेहतर कार्य और इनोवेशन करने के लिए तत्पर रहता है।

गुलमोहर, नीम और मौलश्री के पौधे लगाए

भोपाल (काप्र)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में गुलमोहर, नीम और मौलश्री के पौधे रोपे। श्री चौहान के साथ हम लोक शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति के सदस्यों ने भी पौध-रोपण किया। इनमें सर्वश्री संतोष ब्रह्मभट्ट, यशवंत सिंह राजपूत, मुनेंद्र सिंह, राहुल गजभिये और टिंकू लाल मंडराई शामिल हैं। सुश्री गुंजन चौकसे, सुरेश चौकसे, श्रीमती राजकुमारी चौकसे, अभिषेक चौकसे, प्रज्ञा चौकसे, शांतनु श्रीवास्तव, बालिका विधाता और बालक श्री विष्णु भी उपस्थित रहे। आज लगाए गए गुलमोहर की सुव्यवस्थित पत्तियों के बीच बड़े-बड़े गुच्छों में खिले फूल वृक्ष को अलग ही आकर्षण प्रदान करते हैं। नीम को एंटीबायोटिक तत्वों से भरपूर सर्वोच्च औषधि के रूप में जाना जाता है। मौलश्री एक औषधीय वृक्ष है, इसका सदियों से आयुर्वेद में उपयोग होता आ रहा है।

खास खबर | मध्यप्रदेश टाईगर और लेपर्ड स्टेट बन चुका है...

अब चीता स्टेट भी बनेगा : मुख्यमंत्री

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश विभिन्न क्षेत्रों में विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। गत वित्त वर्ष में मध्यप्रदेश 19.74 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर के साथ देश में अग्रणी है। प्रदेश के पूँजीगत व्यय में लगभग 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इस साल पूँजीगत व्यय के लिए 48 हजार 800 करोड़ रूपए की राशि से बेहतर कार्य हो रहे हैं। भारत की अर्थ-व्यवस्था में प्रदेश का योगदान बढ़ कर 4.6 प्रतिशत हो चुका है। आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के लिए निरंतर प्रयास हुए हैं। श्री चौहान आज जहाँनुमा होटल सभाकक्ष में इंडिया टुडे समूह के स्टेट ऑफ स्टेट्स-मध्यप्रदेश फर्स्ट कार्यक्रम में प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों की प्रगति का ब्यौरा दे रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम के दौरान इंडिया टुडे समूह के ग्रुप एडिटर श्री राज चेंगप्पा और श्री सौरभ के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश टाइगर और लेपर्ड स्टेट बन चुका है, अब चीता स्टेट भी बनेगा। पन्ना राष्ट्रीय उद्यान में टाइगर को पुनर्जीवन देने के बाद अब प्रदेश में चीतों एवं अन्य वन्य-प्राणियों के संरक्षण के लिए पहल की गई है। दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से मध्यप्रदेश के कूनो पालपुर राष्ट्रीय अभयारण्य में उन्हें बसाने का कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के सघन वन क्षेत्रों में वन्य-प्राणियों के बेहतर प्रबंधन का कार्य हो रहा है।

श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कोरोना काल में दिए गए आत्म-निर्भरता के मंत्र को स्वीकार करते हुए आपदा में अवसर के सिद्धांत पर कार्य करने वाला प्रदेश रहा है। अधो-संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुशासन क्षेत्र में देश के विशेषज्ञों से वर्ष 2020 में महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किए गए थे। इसी तरह पर्यावरण-संरक्षण की चर्चा करें तो, ग्लासगो जलवायु सम्मेलन में श्री मोदी ने भारत की कुछ प्रतिबद्धताओं से अवगत करवाया था। यह सम्मेलन ग्रीन हाऊस गैसों के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार जीवाश्म ईंधन और कोयले के इस्तेमाल को कम करने की योजना बनाने वाला प्रथम जलवायु सम्मेलन था, जिसमें प्रधानमंत्री ने पृथ्वी को सुरक्षित रखने के संबंध में चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने भारत द्वारा वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने और ग्लोबल वार्मिंग के विनाशकारी प्रभावी से लड़ने के लिए 5 सूत्री योजना की जानकारी दी थी। मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा व्यक्त प्रतिबद्धता के अनुरूप अपने प्रयास प्रारंभ कर चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले वर्ष में बड़ी संख्या में नौकरी और स्व-रोजगार के अवसर युवाओं को मिलेंगे। प्रदेश में 32 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य है। युवाओं को आगामी एक वर्ष में एक लाख सरकारी नौकरियों में स्थान मिलेगा। इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से प्रयास प्रारंभ किए गए हैं। स्व-सहायता समूह से लगभग 43 लाख परिवार की महिलाएँ जुड़ी हैं। इन्होंने अर्थ-व्यवस्था को नई ताकत दी है। समूह की बहनों को 3 हजार करोड़ रूपए का ऋण दिलवाया जा रहा है। विभिन्न योजनाओं से गत सात माह में लगभग 22 लाख से अधिक स्व-रोजगार के नए अवसर सृजित किए गए हैं। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन और अन्य योजनाओं से प्रतिवर्ष करीब 2 लाख लोगों को स्व-रोजगार के लिए मदद दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र में मध्यप्रदेश महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। जहाँ गेहूँ उत्पादन में हम सबसे आगे हैं, वहीं फसलों के विविधीकरण और प्राकृतिक कृषि की तरफ भी ध्यान दिया जा रहा है। राजधानी के नजदीक सीहोर जिले में तुलसी और अश्वगंधा की पैदावार हो रही है। किसानों को कृषि उत्पादन का उचित मूल्य दिलवाने के साथ उन्हें नई कृषि तकनीक से परिचित करवाने का कार्य हो रहा है। किसानों को उत्पादन के विक्रय के लिए मंडी के साथ अन्य विकल्प उपलब्ध करवाए गए हैं।